

रांची

शनिवार, वर्ष 07, अंक 334

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



कोडिंग प्रबंधन खेल जीति जीति
दाइबल यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी
1932
एसटी 28%
पिछड़ा 27%
एससी 12%
पर्यटन नीति
फूलों झाजों
आरीवाद
अभियान
शिक्षक नियुक्ति
पारदेशीय
छात्रवृत्ति
स्थानीय भाषाओं
के शिक्षकों की नियुक्ति
सर्वजन पेंशन
छात्रावासों का
जीणोद्धार
मॉडल स्कूल
सर्वजन आदिवासी धर्म कोड
प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय विनिवितवा अवधि
प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय विनिवितवा अवधि
प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय विनिवितवा अवधि

- 1932 अथवा उसके पूर्व खतियान के आधार पर स्थानीयता परिभाषित करने हेतु कैबिनेट से प्रस्ताव पारित
- एसटी-28%, पिछड़ा-27% और एससी-12% आरक्षण हेतु कैबिनेट से प्रस्ताव पारित
- राज्य कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (OPS) लागू
- सर्वजन आदिवासी धर्म कोड पारित कर केंद्र सरकार को भेजा
- दिकोड़ दिनों में विभिन्न विभागों में दशकों से लंबित पदों पर नियुक्तियां
- पहली बार झारखण्ड जनजातीय महोत्सव का आयोजन
- पारा शिक्षक और आंगनबाड़ी बहनों की दशकों पुरानी मांगों का समाधान
- आर्थिक लप से कमजोर उपभोक्ताओं को मुफ्त 100 यूनिट बिजली
- सर्वजन पेंशन योजना से लाखों जरूरतमंद बुजुर्ग, विधवा/एकल/परिवर्त्यक महिला, दिव्यांग को पेंशन
- आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम से 35 लाख लोगों को मिला अधिकार



जन आरीवाद के 100 दिन

- ### जो कहते हैं वो कहते हैं
- झारखण्ड नीति परिवर्तन की नीति
अंतर्राष्ट्रीय विनिवितवा अवधि
प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय विनिवितवा अवधि
 - खेल यूनिवर्सिटी पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना
नियुक्ति
किसान पाठ्याला
नेतरहाट कायरिंग एंज बंद
आपके अधिकार
आपकी सरकार
आपके द्वार
खेल पदाधिकारी नियुक्ति
पुरानी पेंशन
 - बिरसा हरित ग्राम योजना
हरा राशन कार्ड
नीलांब-पीतांब जल संवर्धन योजना
भूतिक अव्यापक संविधान
विवाहों को अनुबंध अंगजाताड़ी संविधान
100 यूनिट बिजली मुफ्त
 - निजी क्षेत्र में
75% आरक्षण
प्री एंड पोस्ट मैट्रिक
छात्रवृत्ति
डिजिटल एवं डिलेन यूनिवर्सिटी
 - नीलांब-पीतांब जल संवर्धन योजना
भूतिक अव्यापक संविधान
विवाहों को अनुबंध अंगजाताड़ी संविधान
100 यूनिट बिजली मुफ्त
 - कोटोना काल में सबसे पहले प्लेन और ट्रेन से श्रमिकों को लाने वाला राज्य। देश को ऑक्सीजन सप्लाई करने में बना नंबर वन
 - प्रत्येक पंचायत में मॉडल स्कूल
 - 15 लाख जरूरतमंदों को हरा राशन कार्ड
 - निजी क्षेत्र में स्थानीय को 75% आरक्षण



24 सितंबर, 2022
आरिन, कृष्ण पक्ष, घुरुदी
संवत् 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

शनिवार, वर्ष 07, अंक 334

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



जनसंख्या नियंत्रण पर
भी बोले मोहन भागवत
हिंदू-मुस्लिम एकता के
लिए बढ़ाना होगा संवाद



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of: Hajji Abdur Razzaque
Educational Society)
Ranchi-835219 (Jharkhand)



लिफाफा विपक्ष गया है,

खुल नहीं रहा है : राज्यपाल

राजी (आजाद सिपाही)। पिछले कुछ दिनों से झारखण्ड में मुख्यमंत्री हमें सोरेन के ऑफिस आँफ प्राइवेट मामले में तुनाव आयेग की रिपोर्ट पर जनकर रजनीति ही रही है। उन्होंने यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिल कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आग्रह किया। पिछ मुख्यमंत्री ने उनसे मिल कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। लैंका अब तक रिपोर्ट को लेकर सशय की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को जब प्रकारों ने राज्यपाल से चुनाव आयोग की सील बंद रिपोर्ट पर सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि लिफाफा विपक्ष गया है, खुल नहीं रहा है।

एनआइए रेड के बाद केरल में पीएफआइ का हिंसक प्रदर्शन आरएसएस ऑफिस पर फेंके बम, पुलिस पर किया हमला



नवी दिल्ली। एनआइए ने 15 राज्यों में पॉपुलर फ्रॅंट ऑफ ईंडिया (पीएफआइ) के 93 ठिकानों पर छापरांग की थी। इसके विरोध में पीएफआइ ने शुक्रवार को केरल बंद बुलाया था। बंद के बीच राज्य में कई जाहों पर हिंसा भड़क गयी। पूरे राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों पर पथराव होने, दुकानों, वाहनों को शक्ति पहुंचाने औं विंसं की घटनाओं को भी सूचना मिली है।

केरल में हिंसा के बाद पीएफआइ के 500 लोग अरेस्ट किये गये हैं। कन्नूर के मण्डप में आरएसएस के कार्यालय पर बदमाशों ने हमला किया। कन्नूर में एक पीएफआइ कार्यकर्ता को जिंदा बम के साथ पकड़ा गया है। 200 से अधिक पीएफआइ कार्यकर्ताओं को पुलिस मौजूद है। पुलिस के मुताबिक, कोल्लम में मोर्च साइकिल सवार पीएफआइ कार्यकर्ताओं ने दो पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

70 सरकारी बसों क्षतिग्रस्त कर दिया गया, कई जाहों पर बम फेंके गये। कन्नूर में आरएसएस के कार्यालय पर बदमाशों ने हमला किया। कन्नूर में एक पीएफआइ कार्यकर्ता को जिंदा बम के साथ पकड़ा गया है। 200 से अधिक पीएफआइ कार्यकर्ताओं को उन्होंने पर संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि हड्डाल पर उन्हें पहले ही रोक लगा रखी है और सार्वजनिक संपर्क को नुकसान पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जायेगा। अदालत ने राज्य प्रशासन को उसके हड्डाल पर प्रतिबंध संबंधी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हाइकोर्ट ने पुलिस से पीएफआइ के राज्य सचिव एवं अब्बवकर के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा है।

उच्च न्यायालय ने लिया हिंसा का स्वतः संज्ञान : केरल उच्च न्यायालय ने पीएफआइ की विभिन्न हिस्सों में लगातार पूछा, तो उन्होंने कहा कि लिफाफा

हड्डाल और राज्य में हुई हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि हड्डाल पर उन्हें पहले ही रोक लगा रखी है और सार्वजनिक संपर्क को नुकसान पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जायेगा। अदालत ने राज्य प्रशासन को उसके हड्डाल पर प्रतिबंध संबंधी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हाइकोर्ट ने पुलिस से पीएफआइ के राज्य सचिव एवं अब्बवकर के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री का सेविका-सहायिकाओं ने किया स्वागत आंगनबाड़ी केंद्रों को सुसज्जित किया जायेगा : हेमंत सोरेन



आजाद सिपाही संवाददाता

राजी। राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को सुसज्जित किया जायेगा। यहां बिजली-पानी और शौचालय में समेत सभी मूलभूत सुविधाएं उत्तरव्य करायी जायेंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को यह भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि आपके सुक्षित भविष्य के लिए मानदेव एवं सुविधाओं को लेकर सरकार आगे भी ठोस निर्णय लेती रहेगी।

से हमारी सरकार बनी, तो हमने इस कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू किया जा रहा है। लोगों से आग्रह है कि इस चरण में भी सरकार की योजनाओं से जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे भी व्यक्तिगत रूप से नियमावली बनायी है, ताकि आप और आपके परिवार और आपने वाली पीढ़ी को बेहतर जीवन और सुरक्षित भविष्य दे सकें।

सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू होगा : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का पहला चरण काफी कार्रवाई की समस्या को लेकर मुझे होती थी। जब आपके आशीर्वाद से हमें जीत हो गई थी। अब इसे में देंगे। सुखाड़ से जंग जीतेंगे : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कम बारिश की वजह से झारखण्ड में सुखाड़ के हालात पैदा हुए हैं। राज्य सरकार इसे लेकर काफी चिंतित है। ऐसे में किसानों-मजदूरों और ग्रामीणों से लूबल होकर उनकी समस्याओं से अवगत होते हुए उसका नियनकरण करेंगे। राज्य के स्वाभिमान और राज्य वासियों के मान सम्मान से समझौता नहीं करेंगे : मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी मदद से हम निश्चित तौर पर सुखाड़ से जंग में जीत हासिल करेंगे।

पिछड़ा बनाया गया है। पिछले 20 सालों में इस राज्य और वहां के जनमानस के प्रति सरकारों की संवेदना नहीं रही। जब से हमारी सरकार आयी है, हम मूलवासियों आदिवासियों सहित सभी ग्रीष्म और जलसंतरण लोगों के हिस्से में निर्णय ले रहे हैं। हम किसी भी कीमत पर राज्य के स्वाभिमान और राज्य वासियों के मान सम्मान से समझौता नहीं करने वाले हैं। आपको आपका हक और अधिकार दर्ह हाल में देंगे।

सुखाड़ से जंग जीतेंगे : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कम बारिश की वजह से झारखण्ड में सुखाड़ के हालात पैदा हुए हैं। राज्य सरकार इसे लेकर काफी चिंतित है। ऐसे में किसानों-मजदूरों और ग्रामीणों के लिए कई योजनाएं लेकर आ रहे हैं, ताकि उन्हें अपने ही गांव-घर में रोजगार मिल सके और उनका पलायन नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी मदद से जंग जीत हो गई और आपकी विजय के लिए एक योजनाएं लेकर आ रहे हैं, ताकि उन्हें अपने ही गांव-घर में रोजगार मिल सके और उनका पलायन नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी मदद से हम निश्चित तौर पर सुखाड़ से जंग में जीत हासिल करेंगे।



राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रही ऐतिहासिक शुरुआत

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी
के निर्माण हेतु

श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

की गणितीय उपस्थिति में
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार
और
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
के बीच MoU

दिनांक :- 24 सितंबर, 2022 | समय :- 03 बजे अपराह्न
स्थान :- मुख्यमंत्री आवास, रांची

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

संपादकीय

शांति की अपील

शं घाई को-ऑपरेशन अंगनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक के द्वारा आपसी बातचीत में रुखी राष्ट्रपति लवादिमिया पुतिन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कही गयी बात को लेकर अचानक पश्चिमी देश उत्साहित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में न केवल अमेरिका, बल्कि फ्रांस ने भी इस बैठक का हवाला देते हुए शांति की जरूरत बतायी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैन्को और अमेरिकी राष्ट्रपति सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने कहा कि भारत के पीएम मोदी ने पुतिन से बिलकुल सही कहा कि वह युद्ध का समय नहीं है। दोनों ने आहान किया कि अन्य देश भी ऐसा ही रुख दिखाते हुए रूस तक यह बात पहुंचाएं कि युद्ध तकाल बंद किया जावे। बहाहाल, पीएम मोदी को किसी बात से अग्र अच्युत देश खुब होते हैं और उनके बयान का हवाला देकर अपने रुख को ज्यादा बजारण बनाना चाहते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इसमें यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोई ऐसी बात कही दी है, जो वह अब तक नहीं कहते हुए हैं। दूसरे शब्दों में, यह साफ़ रहना चाहिए कि इस मुद्दे पर भारत सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और प्रधानमंत्री मोदी दरअसल उसी नीति को अपने द्वारा से व्यक्त कर रहे थे, जिस पर भारत चलता आया है। युक्तेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस की निवार करने वा उस पर प्रतिवर्धन लगाने के मामले में भले खुद को पश्चिमी देशों के रुख से अलग रखा हो, युद्ध जल्द से जल्द बंद करके शांतिपूर्ण उपायों से साफ़ी विवाद सुलझाने की अपील वह लगातार करता रहा है। पीएम मोदी के जिस बहुप्रचारित बयान का हवाला पश्चिमी देश दे रहे हैं, वह भी युक्तेन युद्ध की बजह से दुनिया भर में उत्पन्न भीषण खाड़ और ऊर्जा संकट के संदर्भ में ही दिया गया है जो वह स्पष्ट करता है कि युद्ध से किसी का भला नहीं होता, सबका नुकसान ही होता है। जहां तक भारत और इसमें शार्प नेता के बयान को मिलने वाली अहमियत का सवाल है तो इसमें कहना चाहिए कि वह अहमियत काफी हृद तक संवर्धित देश की अधिकता है। भारत ने केवल हाल ही में ब्रिटेन को पीछे करके पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि आने वाले कई वर्षों तक उसकी जीडीपी ग्रोथ अच्छी और टिकाऊ बने रहने की संभावना है। हाल में आर्थिक रिपोर्टों के मुताबिक भारत 2027 तक दुनिया की चौथी और 2029 तक तीसरी सबसे बड़ी इकाईमानी हो जायेगा। जाहिर है, यह स्थिति विश्व मंच पर भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है। इसका कुशल इत्तेमाल दुनिया को बहतर मूल्यों की ओर बढ़ने में मदद कर सकता है।

भारत न केवल हाल ही में ब्रिटेन को पीछे करके पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि आने वाले कई वर्षों तक उसकी जीडीपी ग्रोथ अच्छी और टिकाऊ बने रहने की संभावना है।

की अपील वह लगातार करता रहा है। पीएम मोदी के जिस बहुप्रचारित बयान का हवाला पश्चिमी देश दे रहे हैं, वह भी युक्तेन युद्ध की बजह से दुनिया भर में उत्पन्न भीषण खाड़ और ऊर्जा संकट के संदर्भ में ही दिया गया है जो वह स्पष्ट करता है कि युद्ध से किसी का भला नहीं होता, सबका नुकसान ही होता है। जहां तक भारत और इसमें शार्प नेता के बयान को मिलने वाली अहमियत का सवाल है तो इसमें कहना चाहिए कि वह अहमियत काफी हृद तक संवर्धित देश की अधिकता है। भारत ने केवल हाल ही में ब्रिटेन को पीछे करके पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि आने वाले कई वर्षों तक उसकी जीडीपी ग्रोथ अच्छी और टिकाऊ बने रहने की संभावना है। हाल में आर्थिक रिपोर्टों के मुताबिक भारत 2027 तक दुनिया की चौथी और 2029 तक तीसरी सबसे बड़ी इकाईमानी हो जायेगा। जाहिर है, यह स्थिति विश्व मंच पर भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है। इसका कुशल इत्तेमाल दुनिया को बहतर मूल्यों की ओर बढ़ने में मदद कर सकता है।

वर्ष 2022-23 के प्रथम तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रहा। इस पूरे वर्ष में देश का आर्थिक विकास दर के 7 प्रतिशत से अधिक होने का

आकलन है। वर्तमान वैश्वक परिस्थितियों के हिसाब से इस विकास दर को संतोषप्रद माना जा सकता है।

राजस्व में वृद्धि

अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ होने के कारण देश के सुदृढ़ होने के बायोपायित एवं विविध विवरणों से भी काफी वृद्धि हुई है। इस वर्ष (2022 -

अभिमत आजाद सिपाही

वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी सुधार शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य लहर आयी थी एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला युक्त तथा रूस के बीच का युद्ध भी शुरू हो गया था। इन घटनाओं से भारत देश भी अलूता नहीं रह सका, लेकिन वर्तमान नेतृत्व की सजगता एवं कुशलता के कारण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू हो गया। वर्ष 2021-22 में भी (कोविड -19) महामारी की दो अन्य ल

ઇન્દ્રાબાદ/બોકારો/બેરમો

મહત્વપૂર્ણ ચૂંઝ

જ્ઞાનખંડી આદિવાસી મૂલવાસી જનસભા મેં શામિલ હોંગે વિધાયક ડૉ લંબોદર મહતો

બોકારો
(આજાદ
સિપાહી)
આદિવાસી-
મૂલવાસી
અધિકાર
મોર્ચા કી



બૈઠક શુક્રવાર કો તુપકાડીહ લલિત નારાયણ ગેંસ એંજેસી કે પાસ પ્રાણં મેં હુર્દા જિસકી અધ્યક્ષતા મોર્ચા કે પ્રદેશ સંયોજક વિદેશી મહતો ને કિયા। બૈઠક મેં નિર્ણય લિયા ગયા કે દો અક્ટૂબર કો બોકારો નારા મોડી કે વિરસા આશ્રમ મેં ઝાંખંડી આદિવાસી મૂલવાસીઓ કી નિર્માણ પૂર્ણ આરક્ષણ પર ચર્ચા દોણી। ઇસમાંને નાગારિત આદિવાસી- મૂલવાસી અધિકાર મોર્ચા કે સરકાક પર્વ સાસદ વ અરાદ રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ સાલખન મુર્મ, આદિવાસી સેંગેલ અભિયાન કે કેંદ્રીય સંયોજક સુભિંદ્ર મુર્મ ઔર ગોમિયા વિધાયક ડાંકટર લંબોદર મહતો મુખ્ય રૂપ સે શામિલ હોયાં। ઇન્કે અતાવા આદિવાસી મૂલવાસી અધિકાર મોર્ચા કે સંયોજક દેવનારાયણ મુર્મ, વિદેશી મહતો, કેરમચંદ હાસદા.

આદિવાસી મોર્ચા કે બોકારો નારાયણ, ગરુદ રામ મહતો, સહદેવ મહતો, ઘનંજ્ય મહતો, રખો કિસ્કુ મહતો, સારેન આરિથ થી।

મોર્ચા સરકાર કા લક્ષ્ય સમાજ કે અંતિમ વ્યક્તિ કો સશક્ત બનાના : લક્ષ્મીકાંત



બોકારો (આજાદ સિપાહી) | બોકારો દોરા કે દૌરાન ભાજપા કે પ્રદેશ પ્રભાઈ વ રાજ્યસભા કે મુખ્ય સંચેતક લક્ષ્મીકાંત વાજપેણી ને રંચી જાને કેર્પે નાયા મોડ સ્થિત વાય દુકાન મેં કાર્યકર્તાઓને કે સાથ ચાય કે આંકદ લિયા। નાયા મોડ પર સ્થિત દુકાનદારોને મન કી બાત જાની। કેંદ્ર સરકાર દ્વારા યોજનાઓને બાર મેં જાના। દુકાનદારોને કહા કે કેંદ્ર સરકાર કી બહુત સે યોજનાઓની કા લાભ હમલોગ કો મિલા હૈ। બીએસએલ ક્ષેત્ર હોને સે કર્ડ યોજનાઓની કા લાભ નહીં મિલા મગર જિન યોજનાની કા લાભ મિલા ઉસસે હમારે પરિયારિક મંત્રાનુભવ કરેણે। વહી પ્રભાઈ ને કહા કે મોર્ચા સરકાર કા લક્ષ્ય સમાજની કે અંતિમ વ્યક્તિ કો સશક્ત બનાના હૈ। આજ કાફી ખુલ્લી મસ્સસું હો રીતી કે ઇસ્પાતન વાગી મેં વેદતરીન ચાય પીને કા મૌકા મિલા। અબ જબ કાફી બોકારો આગમન કા મૌકા મિલણા ફિર સે ચાય કા આંકદ લેણે। યાંચ આકર જો સમ્માન મિલા વહ સ્મર્યાય રેણુ। ઇસ મોકે પર બોકારો વિધાયક વિરંધી નારાયણ, જિના અધ્યક્ષ ભરત રાદ, સંસ્થય ત્યાગી, વિનય કિશોર, રામકિર્કર પાંડેય, ભેરવ મહતો, સુનીલ મોહન ગાંગર આદિ થે।

ડીએમએસ ને કિયા કોયલા ખદાન કા નિરીક્ષણ

ક્ષાયાર (આજાદ સિપાહી) | કથાર ખાન સુરક્ષા મહાનિદેશલય કોડરમા રીજન કે ખાન સુરક્ષા નિરીક્ષણક (ડીએમએસ) ને ગુરુવાર કો બોકારો જિલ્લા કે હદ મેં કથાર યોલિયરી કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજના

પદાર્થકારી, ખાન પ્રબન્ધન એવ અન્ય અધિકારીઓનું ઉપરિષિત થે।

જાનકારી કે અનુસાર ખાન સુરક્ષા નિરીક્ષણ કોડરમા રીજન એક મિશ્ર એવ ઉપદેશક તેજા ને કથાર યોલિયરી કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સંબંધિત પરિયોજનાની કા નિરીક્ષણ કિયા।

નિરીક્ષણ કે ક્રમ મેં ડીએમએસ કે સાથ સં

